a2zpapers.com

Exam. Code : 103205
Subject Code : 1219

B.A./B.Sc. 5th Semester

SANSKRIT (Elective)

(Nitikatha, Sahitya Tatha Vyakaran)

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—100

नोट :— सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। किसी भी प्रश्न के सभी भागों के उत्तर नैरन्तर्य से लिखें।

1. अधोलिखित में से किन्हीं पाँच पद्यों का संस्कृत/हिन्दी/पंजाबी/अंग्रेजी में संप्रसङ्ग सरलार्थ करें :—

(क) सर्वनाशे समुत्पन्ने, अर्द्धं त्यजति पण्डितः।
अर्द्धेन कुरुते कार्यं, सर्वनाशो हि दुस्सहः।।

(ख) यासां नाम्नाऽपि कामः स्यात्सङ्गमं दर्शनं विना
तासां दृक्सङ्गमं प्राप्य, यन्न द्रवति कौतुकम्।।

(ग) अकृत्यं नैव कर्त्तव्यं प्राणत्यागेऽप्युपस्थिते।
न च कृत्यं परित्याज्यमेष धर्मः सनातनः।।

(घ) उपदेशप्रदातॄणां नराणां हितमिच्छताम्।
परस्मिन्निह लोके च व्यसनं नोपपद्यते।।

(ङ) उत्तमं प्रणिपातेन, शूरं भेदेन योजयेत्।
नीचमल्पप्रदानेन, समशक्तिं पराक्रमैः।।

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
ad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

(च) वनेऽपि सिंहा मृगमांसभक्ष्या,
बुभुक्षिता नैव तृणं चरन्ति।
एवं कुलीना व्यसनाऽभिभूता,
न नीतिमार्गं परिलङ्घयन्ति।।

(छ) यच्छक्यं ग्रसितुं, ग्रस्तं शस्तं परिणमेच्च यत्।
हितं च परिणामे यत्तदाद्यं भूतिमिच्छता।।

(ज) अन्तस्थेनाऽविरुद्धेन सुवृत्तेनाऽतिचारुणा।
अन्तर्भिन्नेन सम्प्राप्तं मौक्तिकेनाऽपि बन्धनम्।।

(झ) स्त्री-विप्र-लिङ्गि-बालेषु प्रहर्त्तव्यं न कर्हिचित्।
प्राणाऽत्ययेऽपि सञ्जाते, विश्वस्तेषु विशेषतः।।

(ञ) शत्रुमुन्मूलयेत्प्राज्ञस्तीक्ष्णं तीक्ष्णेन शत्रुणा।
व्यथाकरं सुखाऽर्थाय, कण्टकेनेव कण्टकम्।। 7×5=35

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखें :—

(क) 'श्रृगाल-सिंह-व्याघ्रचित्रककथा' का सार अपने शब्दों में लिखें।

(ख) 'युधिष्ठरकुम्भकारकथा' से हमें क्या शिक्षा मिलती है।

(ग) 'सिंहलम्बकर्णकथा' का सार अपने शब्दों में लिखें।

(घ) 'गंगदत्तप्रियदर्शनसर्पकथा' की शिक्षा का हमारे जीवन में महत्त्व प्रतिपादित करें। 7½×2=15

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** में सन्धि/सन्धिविच्छेद करें :—

(क) विष्णुस्त्राता।

(ख) हरिश्शेते।

(ग) शिवो वन्द्यः।

(घ) अहर्गणः।

(ङ) शम्भुस् + राजते।

(च) मनोरथः।

(छ) हरी रम्यः।

(ज) सोऽपवादः।

(झ) भोस् + देवाः।

(ञ) हरिस् + तिष्ठति। 5×2=10

4. अधोलिखित में से किन्हीं **पाँच** धातुओं के साथ यथानिर्दिष्ट सन् तथा णिच् प्रत्यय लगाकर लट्लकार प्रथम-पुरुष एकवचन के रूप में लिखें :—

(क) √पठ् + सन्

(ख) √गम् + णिच्

(ग) √पत् + सन्

(घ) √ग्रह् + णिच्

(ङ) √दिव् + सन्

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

(च) √चुर् + सन्

(छ) √चल् + णिच्

(ज) √भू + सन्

(झ) √हस् + णिच्

(ञ) √चुर् + सन्। 5×2=10

5. ऋग्वेद अथवा सामवेद का सामान्य परिचय दें। 10

6. अग्रलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें :—

(क) नवग्रहों के नाम लिखें।

(ख) दस दिशाओं के नाम लिखें।

(ग) ऋतुएं कितनी हैं ? नाम लिखें।

(घ) चैत्रादि महीनों के नाम लिखें। 2×5=10

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** शब्दों को संस्कृत में लिखें :—

अंगूठा, कान, गर्दन, जीभ, नाक, गधा, घोड़ा, नेवला, बन्दर, बैल, भैंस, कबूतर, कोयल, कौवा, चिड़िया, मोर, नारियल, Internet, Television, Telephone. 10×1=10

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab